MJC-3/MIC-3/MDC-3

DATE 19/02/2026

Socialization Stages:-

जब बच्चा अपने लिंग के सदस्यों, स्कूल के साथियों और मित्रों के अनुरूप कार्य करता है तो यह सामाजिक समूह से तादात्मीकरण का उदाहरण है।

इस स्तर में बच्चा प्रत्येक क्रिया को करते समय दूसरों के अनुरूप बनने का प्रयत्न करता है और इसी समय से वह समझने लगता है कि पिता का ध्यान माँ से कुछ भिन्न है अथवा परिवार के सदस्यों की स्थिति बाहरी लोगों से भिन्न है। इसे से बच्चे में कुछ लोगों को दूसरे से भिन्न समझने (discrimination) की प्रवृत्ति होने लगती है। यह तादात्मीकरण तब अधिक सफल माना जाता है जब परिवार में चार पक्ष परिस्थितियाँ विद्यमान हो —

(i) यदि पुत्र को पिता का और पुत्री को माँ का पूरा स्नेह मिलता हो।

(ii) बच्चा जिस सदस्य को अपना आदेश मानता है, उसका बच्चे से घनिष्ठ संबंध हो।

(iii) पिता से माँ सम्मानपूर्ण व्यवहार करे।

(iv) परिवार के अन्य सदस्य बच्चे को पिता में निष्ठा रखने का प्रोत्साहन देते हो।

ये सभी दशाएँ बच्चे को निराशा (frustration) से बचाकर उसे भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करती है। यही भावनात्मक सुरक्षा समाजीकरण की सफलता का प्राथमिक आधार है।

(4) किशोरावस्था (Adolescence)

इस स्तर का आरंभ यौवन के पहले चरण 'Pubery' से होता है। अधिकतर विद्वानों ने समाजीकरण की प्रक्रिया में इस स्तर को सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना है।

classmate

PAGE